पंतनगर वैज्ञानिकों ने दिखाया ग्रामीणों को मोटे अनाज पर मार्ग

पन्तनगर। 10 जून 2025। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में पंतनगर विश्वविद्यालय की विशेषज्ञ टीम ने सितारगंज ब्लॉक के तीन गांव सिसौना, जगतारपुर और गोविंदनगर का भ्रमण कर किसानों एवं ग्रामीण समुदाय से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जैविक खेती, मोटे अनाज की खेती, फसलों की उन्नत किस्मों, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय से डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक सस्य विज्ञान; डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल, सहायक प्राध्यापक कृषि संचार विभाग एवं डा. स्वाति, प्राध्यापक पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी उपस्थित रहे। साथ ही कृषि विभाग, मत्स्य विभाग एवं गन्ना विभाग के अधिकारीगण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा. बी. डी. सिंह ने कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उपायों, फसल प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों और मोटे अनाज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज पोषण से भरपूर होने के साथ–साथ जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को झेलने में भी सक्षम हैं, अतः इनका उत्पादन किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल ने ग्रामीण महिलाओं की कृषि में भागीदारी को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि महिलाएं कृषि आधारित उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाएं, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त बन सकती है। उन्होंने मोबाइल ऐप्स, नवाचारों और संचार माध्यमों के माध्यम से महिलाओं को कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. स्वाति ने किसानों को जैविक कीट नियंत्रण की विधियों की जानकारी दी और बताया कि ये न केवल सरल और सस्ती हैं, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी हैं। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों की जगह जैविक उपायों को अपनाने पर ज़ोर दिया, जिससे मिट्टी की उर्वरता और फसलों की गुणवत्ता दोनों में सुधार होता है।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों ने वैज्ञानिकों द्वारा दी गई जानकारी की सराहना की और आग्रह किया कि इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, ताकि उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों और योजनाओं की जानकारी निरंतर मिलती रहे।